Semester-1 MIC psychology - Learning - meaning

सीखना व्यवहार के उन परिवर्तनों और सुधारों की ओर संकेत करता है जो कि किसी प्रणाली में व्यवहार के साथ संघर्ष प्रक्रिया करने के कारण उत्पन्न होते है, मनुष्य अपने स्वाभाविक व्यवहार की प्रतिक्रिया के फलस्वरूप बचपन से ही सीखना प्रारम्भ कर देता है।

जन्म से ही बालक का सम्बन्ध अवश्य ही किसी न किसी से होता है। बालक जब जन्म लेता है। तब वह अनेक लोगों से मिलता है। जन्म लेता है, तब परिवार से, पढ़ने जाता है तब स्कूल से, थोड़ा और बड़ा होता है। तब मित्रों और रिश्तेदारों से, उसके बाद वह समाज तथा अन्य लोगों से मिलता है। जब बालक किसी से भी मिलता बात करता है। तो वह अवश्य उस व्यक्ति से कुछ न कुछ सीखता है। मनुष्य अपने जीवन में जितनी भी क्रिया प्रतिक्रिया करता है। वह सब क्रियाएँ सीखने के उपरान्त ही की जाती है। मनुष्य की इन्हीं क्रियाओं का विभाजन दो भागों के अन्तर्गत किया है।

(1) जन्मजात क्रियाएँ (Innate Activities)
(2) अर्जित क्रियाएँ (Acquired Activities)

जन्मजात क्रियाएँ वह क्रियाएँ होती है। जो मनुष्य के अन्तर्गत जन्म से ही स्वतः विकसित होती है। मनुष्य को उन्हें सीखने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। इन क्रियाओं के अन्तर्गत मुख्यतः मानव की वंश परम्परा से सम्बन्धित क्रियाएँ आती है।

माता - पिता आदि के वंश के अनुरूप स्वतः ही प्राप्त होती है। ये क्रियाएँ परिपक्वता के साथ-साथ मनुष्य में विकसित भी होती जाती है। मानव का रोना, हँसना, भूख, प्यास, सोना आदि सम्मिलित है। यह क्रियाएँ मनुष्य को सीखनी नहीं पड़ती है। वह स्वतः ही इन क्रियाओं को ग्रहण कर लेता है। इन क्रियाओं को जन्मजात क्रियाएँ कहा जाता है।

अर्जित क्रियाएँ - वह क्रियाएँ होती है। जो बालक इस समाज और परिवार से अर्जित करता है। ग्रहण करता है। परिवार, स्कूल, समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बोलना, गाना, पढ़ना, दौड़ना आदि को देखकर उन्हें सम्मिलित करता है - सीखना व्यवहार के परिणामस्वरूप व्यवहार और प्रत्यक्षीकरण में होने वाले परिवर्तन है।

- सीखना व्यवहार के परिणामस्वरूप व्यवहार में होने वाले परिवर्तन है।
- सीखना एक क्रिया है जिसके द्वारा हम अपनी अनुक्रियाओं को नयी आदतों में संगठित करते है।
- सीखना किसी नवीन वस्तु की क्रिया से सम्बन्धित है। जिसे धारण कर लेने के पश्चात व्यक्ति की क्रियाओं में उसकी प्रभावित होती है।
- सीखना उस क्रिया के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। जिससे व्यवहार की उत्पत्ति होती है। अथवा प्रशिक्षण के आधार पर विविध परिवर्तन आता है।

DR. PRAMOD KUMAR SAHU. 07/10/2025.